A–0633

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

CVK-01

Certificate in Vedic Karmkand (CVK)

कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. त्रिकाल संध्या विधान का वर्णन कीजिए।

2. भारतीय सनातन परम्परा में पूजन का क्या महत्व है ? इसे समझाइए।

3. वेद से आप क्या समझते हैं ? इसे परिभाषित कीजिए।

4. संकल्प का परिचय देते हुए इसके महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

5. नवग्रह पूजन के महत्व का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रत्यधिदेवताओं का परिचय दीजिए।

2. क्षेत्रपाल का परिचय दीजिए।

3. संध्या न करने के दोषों का वर्णन कीजिए।

4. सूर्यउपस्थान के मंत्रों को लिखिए।

5. किन्हीं **तीन** पुराणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. नक्षत्रों का परिचय दीजिए।

7. निष्काम संकल्प के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

8. सूर्य तथा चन्द्रमा के वैदिक मंत्रों को लिखिए।

****